पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक तथा प्रवक्ता पदों पर चयनित माध्यमिक शिक्षा विभाग के 3,567 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये

किसी भी नवचयनित शिक्षक को ज्वाइनिंग में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए : मुख्यमंत्री

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद यदि किसी प्रबन्धक या अन्य व्यक्ति द्वारा नव चयनित अभ्यर्थियों से किसी प्रकार के लेन–देन की मांग की जाती, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजने का काम किया जाएगा

चयन पूरी परदर्शिता और मेरिट के आधार पर हुआ, नियुक्ति के बाद किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद को पत्र के माध्यम से प्रयागराज के विद्यार्थियों की समस्या से अवगत कराते हुए उनके हित में एक बार की विशेष व्यवस्था/अवसर उपलब्ध कराने की सम्भावना पर विचार करने के लिए कहा जाए

एक शिक्षक केवल कक्षा में पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार, चरित्र, अनुशासन, जिज्ञासा और राष्ट्रबोध का निर्माण करता

प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के माध्यम से बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षक एवं उनके आश्रित परिवारों को प्रतिवर्ष प्रति परिवार 05 लाख रु0 तक की निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध

प्रदेश सरकार ने विगत 09 वर्षों में साढ़े 09 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी क्षेत्र में नियुक्ति प्रदान की

विगत एक सप्ताह में 5,297 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, अगले 06 माह में एक लाख और युवाओं को सरकारी नौकरियों से जोड़ने का लक्ष्य

ऑपरेशन कायाकल्प और निपुण भारत से बेसिक शिक्षा में व्यापक परिवर्तन आया, विभिन्न मूलभूत सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं की संतृप्ति 36 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हुई

प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत 2,300 से अधिक माध्यमिक विद्यालयों में नए भवन एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास किया गया

लखनऊ : 22 सितम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि शिक्षक समाज के सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक और आने वाली पीढ़ी के निर्माता होते हैं। एक शिक्षक केवल कक्षा में पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार, चरित्र,

अनुशासन, जिज्ञासा और राष्ट्रबोध का निर्माण करता है। आज माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक के पदों पर चयनित 3,567 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। यह केवल नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तम्भों को नई जिम्मेदारी सौंपने का अवसर है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टी0जी0टी0) तथा प्रवक्ता (पी0जी0टी0) पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत विभिन्न पदों पर चयनित 3,567 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है, इनमें 319 प्रधानाचार्य, 258 प्रधानाध्यापक, 2,372 प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक तथा 618 प्रवक्ता सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी नवचयनित शिक्षक को ज्वाइनिंग में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद यदि किसी प्रबन्धक या अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता अथवा शिक्षक से किसी प्रकार के लेन–देन की मांग की जाती है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजने का काम किया जाएगा। चयन पूरी परदर्शिता और मेरिट के आधार पर हुआ है तथा नियुक्ति के बाद किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आज नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले 3,567 लोग एक बड़े और पवित्र अभियान से जुड़ रहे हैं। यदि एक शिक्षक प्रतिवर्ष 100 विद्यार्थियों के साथ संवाद करता है तो 3,567 शिक्षकों के माध्यम से प्रतिवर्ष तीन लाख 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन सम्भव होगा। यही विद्यार्थी आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र का नेतृत्व करेंगे। इसलिए शिक्षक की भूमिका नए भारत की आधारशिला रखने वाली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत कभी विश्वगुरु था, क्योंकि तक्षशिला और नालन्दा जैसे विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय भारत की ज्ञान पम्परा का केन्द्र थे। भगवान श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ और गुरु विश्वामित्र से शिक्षा प्राप्त कर मर्यादा, अनुशासन, त्याग, संयम और कर्तव्यबोध का आदर्शन प्रस्तुत किया। महर्षि वाल्मिकी ने रामायण के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन की मर्यादा को समाज के सामने प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महर्षि अगस्त्य ने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य किया। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा ने गुरु संदीपन के आश्रम में एक साथ शिक्षा ग्रहण की। चाणक्य ने शिक्षा के माध्यम से चन्द्रगुप्त जैसे व्यक्तित्व का निर्माण किया। महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय ने 1916 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की। पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम जीवनभर स्वयं को शिक्षक के रूप में प्रस्तुत करते रहे। डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा भी भारत की गुरु–शिष्य परम्परा की महान विरासत का प्रतीक है।

प्रदेश सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करा सकती है, लेकिन उस इन्फ्रास्ट्रक्चर में गति और प्राण शिक्षक द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थी ही भरता है। सरकार उद्योग लगाने के लिए वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध करा सकती है, लेकिन उद्योग इनोवेशन और रोजगार का आधार बनेगा या नहीं, यह विद्यार्थियों की प्रतिभा और प्रशिक्षण तय करेगा। सरकार प्रयोगशालाएं बना सकती है, लेकिन उनमें बेहतर शोध और नवाचार का कार्य विद्यार्थियों को ही करना है। इसलिए आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में शिक्षक की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

शिक्षक का मूल्यांकन केवल परीक्षा परिणाम से नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। आज 12 से 17 वर्ष की आयु के जो विद्यार्थी शिक्षकों के पास पढ़ रहे हैं, वर्ष 2047 में उनकी आयु लगभग 33 से 38 वर्ष होगी। यही पीढ़ी उस समय भारत को नेतृत्व प्रदान करेगी। इसलिए शिक्षक को ऐसा वातावरण बनाना होगा कि भविष्य में जब विद्यार्थी अपने जीवन में सफल हो तो उसे अपने शिक्षक का योगदान याद आए और उसके मन में अपने शिक्षक के प्रति श्रद्धा का भाव बना रहे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी केवल अनुशासन बनाए रखने तक सीमित नहीं है। विद्यालय को विद्यार्थियों की जिज्ञासा का केन्द्र बनाना होगा। आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स और गूगल जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं, लेकिन सही और गलत की पहचान, प्रश्न पूछने की जिज्ञासा तथा ज्ञान को सही दिशा देने का कार्य शिक्षक ही कर सकता है। यही जिज्ञासा आगे चलकर इनोवेशन और रिसर्च का आधार बनेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ–साथ महापुरुषों की जीवनी, देश–दुनिया में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं तथा समाज और राष्ट्र से जुड़े विषयों की जानकारी भी देनी चाहिए। समाज को बांटने वाली नकारात्मक शक्तियों से विद्यार्थियों को सावधान करना तथा देश और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना भी शिक्षक का महत्वपूर्ण दायित्व है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव था। योग्य अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित होते थे और कई बार ऐसे लोगों को नियुक्तियां मिल जाती थीं, जिन्होंने आवेदन तक नहीं किया था। अब प्रदेश में चयन प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट, पारदर्शिता और तकनीक आधारित व्यवस्था के माध्यम से आगे बढ़ रही है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, नकल माफिया या भर्ती में भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदेश सरकार ने विगत 09 वर्षों में साढ़े 09 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी क्षेत्र में नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। विगत एक सप्ताह में ही 5,297 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। अगले 06 माह में एक लाख और युवाओं को सरकारी नौकरियों से जोड़ने का लक्ष्य है। मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रत्येक सप्ताह रोजगार एवं नियुक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान को लेकर लोगों के मन में अनेक प्रकार की धारणाएं थीं, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जो उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था में बॉटम 05 में था, आज वह देश की टॉप थ्री अर्थव्यवस्थाओं में पहुंच गया है। राज्य की अर्थव्यवस्था तथा प्रति व्यक्ति आय में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इन्जन के रूप में आगे बढ़ रहा है। आज प्रदेश में बेहतर सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है।

वर्ष 2017 से पहले शिक्षा व्यवस्था में भी अनेक चुनौतियां थीं। बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में जर्जर भवन, पेयजल, शौचालय, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाओं का अभाव था। ऑपरेशन कायाकल्प और निपुण भारत के माध्यम से बेसिक शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन आया है। विभिन्न मूलभूत सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं की संतृप्ति 36 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हुई है। उन्होंने विद्यालयों में खेल के मैदानों की आवश्यकता पर भी बल देते हुए कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलने–कूदने और अपनी प्रतिभा विकसित करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए।

माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र में प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत 2,300 से अधिक विद्यालयों में नए भवन एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास किया गया है। प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, कक्ष–कक्ष, स्मार्ट क्लास और अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। 1,500 से अधिक राजकीय इण्टर कॉलेजों की नई इमारतें बन चुकी हैं। विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब तथा उद्योगों के सहयोग से कौशल विकास के कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माध्यमिक स्तर पर नामांकन दर में विगत वर्ष की तुलना में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे यह बढ़कर 67 प्रतिशत तक पहुंच गई है। वर्ष 2017 से अब तक माध्यमिक शिक्षा विभाग में 42 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। 18 जनपदों के 72 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में ड्रीम लैब विकसित की जा रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों के माध्यम से नई व्यवस्था तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राज्य अध्यापक पुरस्कार की राशि 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये की गई है। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के माध्यम से बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षक एवं उनके आश्रित परिवारों को प्रतिवर्ष प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह सुविधा अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों तक भी विस्तारित की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने नवचयनित शिक्षकों से विद्यालयों में बेहतर टीमवर्क के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षक का आचरण ही विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा होता है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को अपने व्यवहार, अनुशासन, कार्यशैली और

व्यक्तित्व के माध्यम से आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। सभी नवचयनित शिक्षक अपने गुरुतर दायित्व का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बननी चाहिए। विद्यार्थियों में अनुशासन, चरित्र निर्माण, त्याग, देशभक्ति, नवाचार, वैज्ञानिक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के सन्दर्भ में कहा कि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वन्त्र प्रभार) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन0सी0टी0ई0) को विद्यार्थियों की समस्या से अवगत कराएं। पत्र के माध्यम से ऐसे युवाओं के हित में एक बार की विशेष व्यवस्था/अवसर उपलब्ध कराने की सम्भावना पर विचार करने के लिए कहा जाए, ताकि निर्धारित अवधि से प्रभावित युवा नियमानुसार प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त कर सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में शिक्षा क्षेत्र में आमूल–चूल परिवर्तन हुए हैं। समाज में सबसे बड़ा कार्य विद्या दान है। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी शिक्षक एक महान दायित्व के लिए चुने गए हैं। उन्होंने चाणक्य, गुरु द्रोणाचार्य और भारतीय गुरु–शिष्य परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा नहीं देता, बल्कि समाज को दिशा भी प्रदान करता है। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में कानून–व्यवस्था, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, जबकि आज प्रदेश में व्यापक परिवर्तन हुआ है।

माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्रीमती गुलाब देवी ने कहा कि आज का अवसर प्रदेश के उन युवाओं के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जिन्होंने अपनी योग्यता, परिश्रम और लगन के बल पर माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक के रूप में जिम्मेदारी प्राप्त की है। प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को सरकारी नौकरियों से जोड़ा जा रहा है। शिक्षक और विद्यार्थी का सम्बन्ध भावनात्मक होता है। माता–पिता अपने अमूल्य बच्चों को शिक्षक को इस विश्वास के साथ सौंपते हैं कि शिक्षक उनके अज्ञान रूपी अन्धकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करेगा। शिक्षकों को अनुशासन, चरित्र, त्याग और देशभक्ति जैसे संस्कार विद्यार्थियों में विकसित करने चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान मिशन रोजगार से सम्बन्धित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर सदस्य विधान परिषद डॉ0 महेन्द्र सिंह, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष श्री प्रशान्त कुमार, सचिव माध्यमिक शिक्षा श्रीमती किंजल सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————